30/4/25

पत्रावली पेश हुई। वकील उभयपक्ष उपस्थित। पत्रावली अभिलेखागार पेश हुई। वकील उभयपक्षों की बहस। दस्तावेजों के आधार पर न्यायालय यह पाता है कि वकील प्रार्थी अपने प्रार्थना पत्र में अंकित किया गया है कि पत्रावली दिनांक 12/7/24 को पीठासीन अधिकारी अन्य कार्य में व्यस्त रहने के कारण अग्रिम तारीख 24/7/24 अंकित करदी किन्तु सहवश से पुनियर अभिभाषक ने अपनी डायरी में 21/4/24 अंकित करदी। वकील प्रार्थी का प्रार्थना पत्र 09 R 09 सपठित धारा 151 CPC अन्तर्गत दाखिल होने से प्रार्थना पत्र 09 R 09 सपठित धारा 151 CPC को न्यायहित में स्वीकार किया जाता है एवं मूल वाद को पुराना नम्बर पर दर्ज किया जाता है। प्रा० पत्र आज व मूल वाद के हस्ताक्षरित रहे। पत्रावली दर्ज नम्बर के बाद होकर फैसल शुमार होकर दाखिल दफ्तर हो।

निर्णय आज दिनांक 30/4/25 को खुले न्यायालय में सुनाया गया।

Signature Not Verified
Digitally signed by Sarita Sharma
Date: 2025.05.14 14:57:19 IST
Reason: SelfAttested

[redacted]
जयपुर शहर [redacted]